

**उत्तराखण्ड शासन**  
**लोक निर्माण अनुभाग-1**  
संख्या 2036 / III(1) / 09-94(अधि०) / 06  
देहरादून, दिनांक 22 अक्टूबर, 2009

**कार्यालय ज्ञाप**

उत्तराखण्ड शासन के कार्यालय ज्ञाप संख्या 1903 / III(1) / 09-94(अधि०) / 06, दिनांक 25 सितम्बर, 2009 द्वारा श्री विवेक प्रकाश श्रीवास्तव, उप मुख्य अभियन्ता (सी), दिल्ली मेट्रो रेल निगम लि० को महाप्रबन्धक (सिविल), उत्तराखण्ड राज्य अवस्थापना विकास निगम लि० के पद (एक मुश्त वेतन रु० 45,000.00 प्रतिमाह) पर कार्यभार ग्रहण करने की तिथि से तीन वर्ष की अवधि के लिए संविदा पर कतिपय प्रतिबन्धों के अधीन नियुक्त किए जाने के आदेश निर्गत किये गए थे। इस अनुक्रम में उनके द्वारा उक्त पद पर प्रतिनियुक्ति पर लिए जाने सम्बन्धी प्रत्यावेदन दिनांक 12 अक्टूबर, 2009 पर सम्यक् विचारोपरान्त कार्मिक विभाग के शासनादेश संख्या 4/जी०आई०/XXX(2)/2007, दिनांक 12 मार्च, 2007 में निहित प्रतिबन्धों के साथ-साथ निम्न अतिरिक्त प्रतिबन्धों सहित श्री श्रीवास्तव को उत्तराखण्ड राज्य अवस्थापना विकास निगम लि० में महाप्रबन्धक (सिविल) के पद पर तीन वर्ष हेतु प्रतिनियुक्ति पर लिए जाने की सहर्ष स्वीकृति श्री राज्यपाल महोदय प्रदान करते हैं :-

1. उत्तराखण्ड राज्य अवस्थापना विकास निगम लि० में प्रतिनियुक्ति पर श्री विवेक प्रकाश श्रीवास्तव, उप मुख्य अभियन्ता (सी), दिल्ली मेट्रो रेल निगम लि० को उत्तराखण्ड राज्य अवस्थापना विकास निगम लि० द्वारा निर्धारित वेतनमान रु० 16400-20000 प्रतिमाह, महंगाई भत्ता एवं अन्य भत्ते देय होंगे।
2. श्री विवेक प्रकाश श्रीवास्तव को प्रतिनियुक्ति भत्ता देय नहीं होगा, किन्तु वेतन संरक्षण का लाभ दिया जायेगा।
3. प्रतिनियुक्ति के दौरान ड्यूटी पर सामान्य यात्रा भत्ता, पदीय सामान्य अनुमन्यता श्रेणी अनुसार देय होगा।
4. प्रतिनियुक्ति के दौरान पैतृक विभाग में प्रतिनियुक्ति से पूर्व लागू अवकाश एवं पेंशन के नियम लागू रहेंगे।
5. प्रतिनियुक्ति के दौरान पैतृक विभाग में भविष्य निधि एवं सामूहिक बीमा योजना के अन्तर्गत का अंशदान जारी रखेंगे।
6. पैतृक विभाग से पुष्टि होने पर पैतृक विभाग के नियमों के अनुसार अवकाश यात्रा सुविधा पाने के पात्र होंगे।
7. पैतृक विभाग के नियमों के अनुसार चिकित्सा सुविधा पाने के पात्र होंगे।
8. प्रतिनियुक्ति अवधि किसी भी समय घटाई, बढ़ाई अथवा समाप्त की सकती है।
9. किसी ऐसे मामले के सम्बन्ध में, जिसके लिए इस कार्यालय ज्ञाप में कोई प्राविधान नहीं किए गए हैं, उनके सम्बन्ध में उत्तराखण्ड शासन का विनिश्चय अन्तिम होगा।
10. कोई भी विवाद, भारतीय संविधान के प्राविधानों से नियन्त्रित होगा।

3/11/09



श्री विवेक प्रकाश श्रीवास्तव, उप मुख्य अभियन्ता (सी), दिल्ली मेट्रो रेल निगम लि० को निर्देशित किया जाता है कि वे तत्काल कार्यमुक्त होकर प्रबन्ध निदेशक, उत्तराखण्ड राज्य अवस्थापना विकास निगम लि०, देहरादून के समक्ष अपनी योगदान आख्या प्रस्तुत करें।

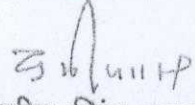
( उत्पल कुमार सिंह )  
सचिव।

पृष्ठांकन संख्या 2036 / III(1) / 09-94(अधि०) / 06 तददिनांक।

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित :-

1. मुख्य सचिव, उत्तराखण्ड शासन।
2. प्रमुख सचिव/सचिव, मा०मुख्यमंत्री, उत्तराखण्ड शासन।
3. प्रमुख सचिव, सार्वजनिक उद्यम, उत्तराखण्ड शासन।
4. प्रबन्ध निदेशक, उत्तराखण्ड राज्य अवस्थापना विकास निगम लि०, देहरादून।
5. प्रबन्ध निदेशक, दिल्ली मेट्रो निगम लि०, दिल्ली मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन लि०, मेट्रो भवन, फायर ब्रिगेड लेन बाराखंबा रोड़, नई दिल्ली 110001.
6. आयुक्त गढ़वाल/कुमाऊँ मण्डल, पौड़ी/नैनीताल।
7. मुख्य अभियन्ता स्तर-1, लोक निर्माण विभाग, उत्तराखण्ड, देहरादून।
8. श्री विवेक प्रकाश श्रीवास्तव, उप मुख्य अभियन्ता (सी), दिल्ली मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन लि० मेट्रो भवन, फायर ब्रिगेड लेन बाराखंबा रोड़, नई दिल्ली 110001 को अतिशीघ्र योगदान करने हेतु।
9. निदेशक, एन०आई०सी०, उत्तराखण्ड, सचिवालय परिसर, देहरादून।
10. गार्ड फाईल।

आज्ञा से,

  
( प्रदीप सिंह रावत )  
उप सचिव।